Get More Visit : http://hindicomics.blogspot.com

साबू पर हमला
गोलू, डगरू और झगड़ू-डाकू.
चाचा चौधरी और साबू को अब तक हम ठिकाने नहीं लगा देते, हम पर हमेशा मुसीबत बनी रहेगी.
फिक्र मत करो. साबू को खत्म करने के लिए मैं यह तोप ले आया हूँ, साबू के मरने से चौधरी की ताकत आधी रह जाएगी.
वाह! तोप के आगे साबू सचमुच नहीं ठहर सकेगा.
ले आओ तोप को, साबू को जहाँ कहीं देखो, हमला कर दो!
वह रहा साबू खेत में, फौरन उसे तोप से उड़ा दो

Rakesh_Mahi

और दागो गोले! उसका नामो-निशान मिटा दो!
और दागो!
बस, गोले खत्म हो गए, साधू भी मर गया है.
खुशी मनाओ! नाचो, गाओ!
हा हा!
हो-
अरे! यह किसके हँसने की आवाज है?

अरे! हमने तो साधू को मार दिया था फिर यह कहाँ से आ टपका!
भागो!
हा-हा! भाग कर कहाँ जाओगे?
रहम! हम फिर ऐसा नहीं करेंगे.
अच्छी बात है, जाओ समुद्र में जरा गोते खाओ!
Rakesh_Mahi

मिर्च और चोर
रात हो गई है
मिर्च
नमक

तीनों दूसरे कमरे में पहुंचते हैं।
कहू, यही वह तिजोरी है, जिसमें चाचा अपने जेवर और नकदी रखता है।
सारे बटोर लो। इन्हें बेच बेच कर सारी उम्र आराम से खाते हुए गुजारेंगे।
तभी चाची की नींद खुल गई।
अजी मैंने कहा, उठो! मुझे साथ वाले कमरे में खटपट सुनाई दे रही है।
अरे चुपचाप सो जाओ! कमबख्त चूहे उछल-कूद मचा रहे होंगे।

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

यह काम मुझ पर छोड़ दो, डाक्टर साहब!
आप फिक्र मत कीजिए
मुझे जल्दी जाना चाहिए, समय बहुत कम है।
यह रही वह दवाइयों की दुकान।
केमिस्ट
साबू दुकान के अंदर जाता है।
मुझे इंजेक्शन चाहिए!
कौन सा इंजेक्शन?
क्या नाम बताया था डाक्टर साहब ने? ...अरे, मैं तो भूल ही गया...
साबू को उड़ता देखकर लोगों के चेहरे खिल उठते हैं
वह देखो डाक्टर साहब, वह आ रहा है।
अरे! मैंने तो उसे एक इंजेक्शन लेने भेजा था, वह तो सारी दुकान उठा लाया!
देखो, तुम्हारा साबू भी कैसा बेवकूफ है! एक इंजेक्शन लेने गया था, सारी केमिस्ट की दुकान ही उठा लाया।
अच्छा?
सारी दुकान उठा लाया!
हो-हो-हो-हो-हो
हो-हो हा हा हा हा हा
उन्हें खुलकर हंस लेने दो, शायद अब दवाई की जरूरत ही न पड़े।
साबू, तुम्हारा मालिक अब ठीक हो गया है। जाओ, जहां से यह केमिस्ट की दुकान लाए हो, वहीं पर रख आओ!
बहुत अच्छा

Rakesh_Mahi

सोने के अंडे देने वाली मुर्गी
कितने की है यह?
भाभी सिर्फ दो हजार रुपए की।
दो हजार की? अरे दो हजार में तो भैंस आ जाती है।
अच्छा! तो दे दो मुझे यह मुर्गी। लो, दो हजार रुपए
मान गया सुलेमान! तूने भी खूब बेवकूफ बनाया भाभी को।
थोड़ी देर बाद काका घर आया।
देखो जी, मैंने यह मुर्गी खरीदी।

कितने की?
अरे! मुर्गी किधर गई?
वह देखो! वह बाहर को भागी जा रही है।
पकड़ो उसको।
पकड़ो! पकड़ो! पकड़ो!...
पकड़ो! पकड़ो! भागने न पाए!

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

हाजमे की गोलियां
अरे सेठ जी सवेरे सवेरे किधर चल दिए ?
चौधरी ज़माना बहुत ख़राब है। मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। कहीं किसी चोर उचक्के ने मेरी पाकेट मार ली तो ?
तो फिर बताओ, मैं क्या करूं?
ठहरो, एक मिनट !
यह है नींद की गोलियां। अगर तुम्हारी जेब कट भी गई तो ये चोर को ढूंढने में मदद करेंगी !
नींद की गोलियां

हाजमे की गोलियां
अच्छा चाचा जी चलता हूं।
बाजार में...
स्टोर
टक्कर
ओह मेरी कमर !
चाचा जी किसी ने मेरी पाकेट मार ली। पूरे दस हजार रुपए !
वह भी नोटों के साथ गई !

Rakesh_Mahi

तेल और पानी

Rakesh_Mahi

मैं यह विग और नकली मूँछें लगा कर जाऊँगा.
कहो, अब कोई मुझे पहचान सकता है ?
बिलकुल नहीं.
मुझे एक लाख का कर्ज चाहिए.
गारंटी?
गोदाम में मेरे पास दस लाख रुपए का तेल रखा है. उसी की गारंटी ले लें.
मूल्य आंकने के लिए हमारे विशेषज्ञ तेल देखेंगे.
बड़ी खुशी से.
गोदाम में
एकाउंटेंट साहब! तेल के इन सारे ड्रमों की कीमत कितनी होगी?
दस लाख से ऊपर.

ठहरो! मुझे इस तेल में शक है.
अरे चाचाजी! यह तेल साफ नजर आ रहा है.
चौधरी ड्रम को उलट देता है.
बापरे, भेद खुल गया. भागो!
कहां भागते हो?
तुमने मेरा रास्ता रोका तो छुरा घोंप दूंगा.
ओह!
यह लो!
तड़ाक!
विग और नकली मूँछें नीचे गिर जाती हैं.
इसे फौरन पुलिस स्टेशन ले चलो.

Rakesh_Mahi

शादी का मुहूर्त
उत्तरी रेलवे
कितने बजे क्या ? अरे वह तो कब की निकल चुकी।
हाय, मेरी शादी !
ठीक है।
Rakesh_Mahi

अच्छा, चाचाजी
हाँ, अब चलो।
वाह! क्या तेज दौड़ रहा है यह बड़ा आदमी
अजी फ्रंटियर मेल से ज्यादा रफ्तार है इसकी
लो भाई, अलीगढ़ आ गया, सिर्फ पन्द्रह मिनट लगे हमें आने में
अलीगढ़
साबू भाई, थोड़ा खाना खाते जाओ।
अरे, अगर मैं खाना खाने बैठ गया तो तुम्हारी सारी बारात भूखी रह जाएगी।

घमंडी का सिर नीचा
वह कुछ दिनों के लिए छुट्टियाँ मनाने गया था, अब तक तो आ जाना चाहिए था।
अरे साबू! कहाँ था इतने दिनों तक?

Rakesh_Mahi

हा हा! मैं दुनिया का सबसे ताकतवर आदमी हूँ।
और बाप रे मधु मक्खियों! इनका डंक है या 440 वोल्ट का करन्ट!

मेरी तोबा! कान पकड़ता हूँ आगे से घमंड नहीं करूँगा।
जय बजरंग बली!
धन्यवाद ताऊजी! आपने मेरी आँखें खोल दीं।

Rakesh_Mahi

बेवकूफ कौन ?
चाचाजी, बेवकूफ किसे कहते हैं ?
सवाल तो तुमने बड़ा मुश्किल पूछा है, लेकिन हम इसका जवाब देंगे.
बेवकूफ वह होता है जो दूसरों को बेवकूफ समझे.
कुछ उदाहरण देकर समझाइए.
उदाहरण मैं कहाँ से लाऊं ?
अच्छा आओ, मेरे साथ बाजार. वहाँ जीता जागता कोई उदाहरण मिल जाएगा.

देखो, यह है फोकट, खुद को कुछ ज्यादा ही अक्लमंद समझता है. देखो...
ज्वेलर्स
सेठ जी, आपके शो केस में जो मूर्तियाँ रखी हैं, क्या मैं उन्हें साफ करके चमका दूँ?
हाँ-हाँ, चमका दो.
यह, यही मुझे चाहिए.

Rakesh_Mahi

ज्वेलर्स
चोर बाजार में.

चोरों को चकमा
चाची, चाचाजी कहाँ हैं?
यह रहे!
अरे चाचाजी आप? औरतों के लिबास में?
हाँ! तेरी चाची बाजार गई है. अब वह लौटकर आएगी तो मुझे कोई दूसरी औरत समझेगी...
जब वह मेरे पास आएगी तो मैं झट से घूंघट उलट दूंगा. वह भौंचक्की रह जाएगी. अच्छा मजाक रहेगा.
वाह!
मैं कहीं छुपकर तमाशा देखता हूं.

Rakesh_Mahi

कहो, कल कोई माल हाथ लगा?
नहीं उस्ताद, जब मैं एक महिला के जेवर उतारने लगा तो उसका पति आ गया.
कमबख्त! महिला को ही उठा लाता. जंगल में ले जाकर हम इत्मीनान से उसके जेवर उतार लेते.
आओ मेरे साथ, मैं तुम्हें बताऊं, कि औरतों के जेवर कैसे उतारे जाते हैं.
श: श: वह घर में अकेली बैठी है. कपड़ा डालने के लिए तैयार हो जाओ.
शाबाश!
अर्रर्र ऽऽ...
इस छोकरे को भी ले चलें. कहीं यह पुलिस को खबर न कर दे.

जंगल को चलो!
चलो जंगल आ गया. उतार लो इसके सारे जेवर!
अभी लो!
अरे! यह तो चाचा चौधरी हैं. मारो इसे.
ओह!
यह पत्थर.
हाय!
हाय मेरी खोपड़ी!
उसके घूंसे ने मेरे दो दांत तोड़ दिए.
न जाने वह मेरी क्या हालत करेगा?
हा-हा!

Rakesh_Mahi

म्यूज़ियम में चोर
क्या हुआ ?
म्यूज़ियम
और चलिए।

अब आप जाइए, चोर पकड़ने की ज़िम्मेदारी मुझ पर छोड़िए।
अच्छी बात है।
और कई दिन तक चाचा चौधरी इस समस्या पर बैठे सोचते रहे
अ-अ-ा-ह ! नींद आ रही है।
अचानक एक रात !
सो रहा है।

Rakesh_Mahi

भूत
मालती, वह देखो, आज रात फिर सामने के भूत बंगले में रोशनी है। लगता है भूत आ गया है।
वह देखो भूत बंगले में रोशनी जल रही है।
वह भूत ने ही जलाई होगी।

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi

चींटी की ताकत
देखना, चाचाजी! मैं एक ही झटके में इस पेड़ को काट दूँगा.
खटाक
हा-हा-! देखा चाचाजी, मैं कितना बलशाली हूँ! मेरा कोई मुकाबला नहीं कर सकता!
साबू! बेशक तुम ताकतवर हो, पर तुम्हें घमंड नहीं करना चाहिए. कभी चींटी भी तुम्हें हरा सकती है.
चींटी? हो-हो- मैं हाथी को भी ऐसे उठा कर फेंक सकता हूँ जैसे वह भूसा हो!
समय ही तुम्हें सबक सिखाएगा.

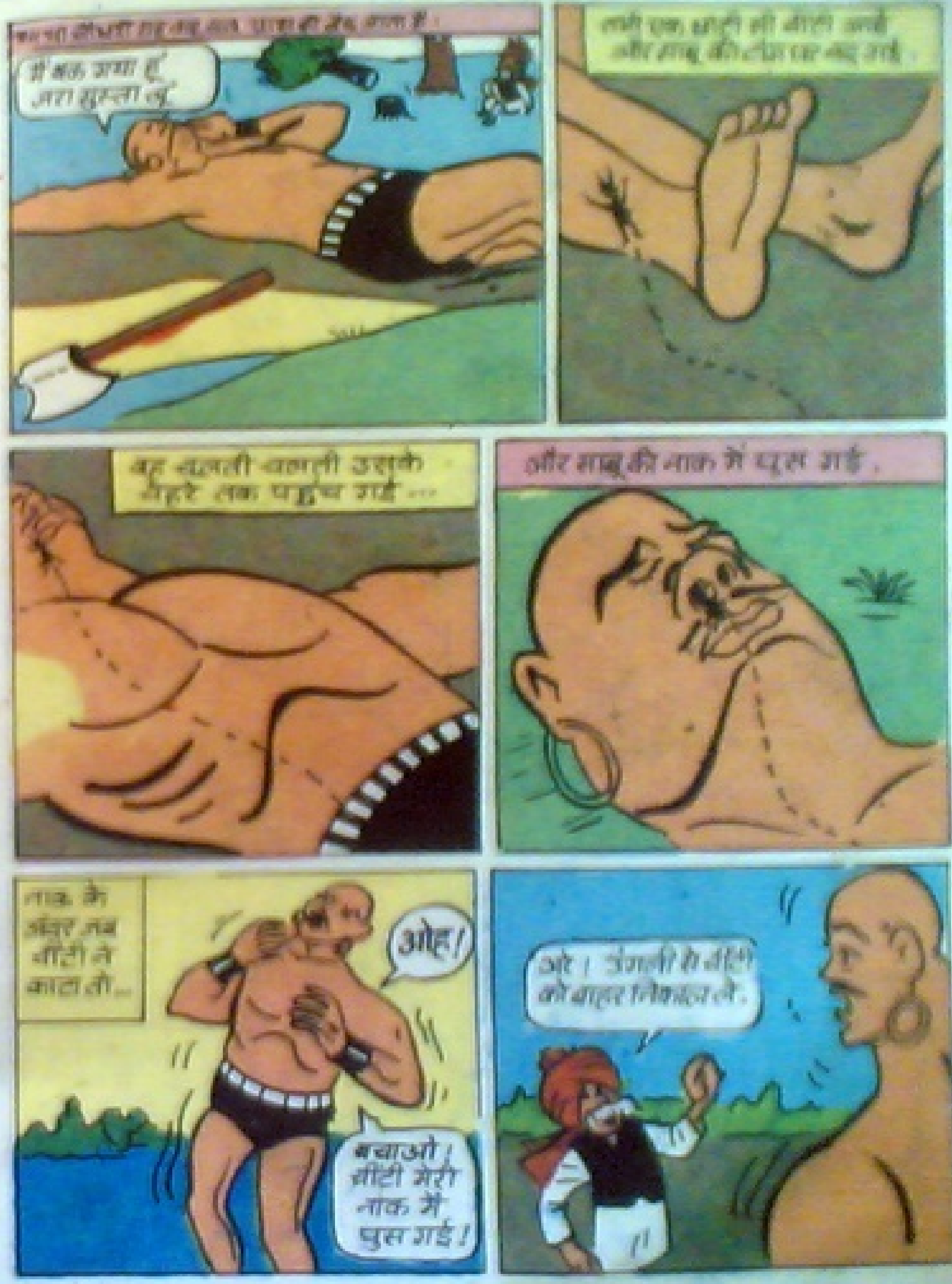
मैं थक गया हूँ, ज़रा सुस्ता लूँ.
वह चलती चलती उसके चेहरे तक पहुँच गई...
और साबू की नाक में घुस गई.
नाक के अंदर जब चींटी ने काटा तो...
ओह!
बचाओ! चींटी मेरी नाक में घुस गई!
अरे! उंगली से चींटी को बाहर निकाल ले.

Rakesh_Mahi

ठीक है! मुझे देखने दे।
साबू नसवार नाक में डालता है।
और फिर छींकों की कतार लग जाती है।
आक छीं
आक छीं
ओह! अब कुछ राहत मिली है।

षड्यंत्र
और साबू का पापड़ बन जायेगा।
बहुत खूब!
तभी...

Rakesh_Mahi

Rakesh_Mahi